ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 05-12-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-05 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-12-06	2025-12-07	2025-12-08	2025-12-09	2025-12-10
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	24.0	24.0	23.0	23.2
न्यूनतम तापमान(से.)	6.0	6.0	6.0	5.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	73	70	72	68	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	46	48	38	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	5	3	4	3
पवन दिशा (डिग्री)	270	280	310	300	280
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	2	2	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सात दिनों में (28 नवंबर से 4 दिसंबर) 0.0 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24.5 से 27.5°C और 6.5 से 7.8°C के बीच रहा। पिछले हफ्ते मौसम साफ़ रहा। सुबह 0712 बजे सापेछिक आद्रता 87 से 97% के बीच रही और शाम 1412 बजे सापेछिक आद्रता 33 से 43% के बीच रही। हवा की गति 1.0 से 2.8 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज़्यादातर पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम थी। अगले 5 दिनों के पूर्वानुमान में बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 23.0-24.0 डिग्री सेल्सियस और 5.0-6.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 3-5 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएँ ज़्यादातर पश्चिम, पश्चिम-उत्तर, उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम-पश्चिम दिशा से चलेंगी। अगले हफ्ते मौसम सूखा रहने की उम्मीद है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई महत्वपूर्ण मौसम चेतावनी नहीं।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

मौसम की चेतावनियों या उनसे जुड़ी खेती पर कोई खास सलाह नहीं दी गयी है।

सामान्य सलाहकार:

किसान और उनसे जुड़े दूसरे लोग मौसम की रेगुलर जानकारी और बारिश के अलर्ट के लिए “मौसम” ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। मौसम और बिजली गिरने के डेटा के रेगुलर अपडेट के लिए "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे दूसरे ऐप भी उपलब्ध हैं। सभी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र्स) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान से पता चलता है कि 12.12.2025 से 18.12.2025 के दौरान बारिश कम होगी और अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य रहेगा।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, कोई खास मौसम चेतावनी नहीं दी गई है, इसलिए खेती के सभी काम मौसम के हिसाब से निर्धारित किए जाने चाहिए और झा पानी की जरुरत हो वह पानी लगाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गन्ना	पतझड़ वाले गन्ने में ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए। खरपतवार हटाने और निराई-गुड़ाई जैसी दूसरी खेती की गतिविधियों पर नियमित नज़र रखनी चाहिए।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	खड़ी फसलों के मामले में, ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए तथा देर से पकने वाली किस्मों में, फली छेदक कीट लगने पर नियंत्रण उपायों का पालन करना चाहिए।
चना	अगर बुवाई में देरी हो रही है, तो बुवाई का काम महीने के पहले पखवाड़े तक पूरा कर लेना चाहिए। देर से बुवाई के मामले में, लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमि रखनी चाहिए, जबकि बुवाई के समय, 10 किलोग्राम बीज के लिए 200 ग्राम राइजोबियम और पीएसबी से बीज का उपचार करना चाहिए। पिछले महीने बोई गई फसल में, खेती के काम जिस तरह चाहिए हो जैसे पानी लगाना, निराई-गुड़ाई जैसे कार्य करें जा सकते हैं।
मसूर की दाल	अगर बुवाई में देरी हो रही है, तो बुवाई का काम महीने के पहले पखवाड़े तक पूरा कर लेना चाहिए। देर से बुवाई के मामले में, लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमि रखनी चाहिए, जबकि बुवाई के समय, 10 किलोग्राम बीज के लिए 200 ग्राम राइजोबियम और पीएसबी से बीज का उपचार करना चाहिए। पिछले महीने बोई गई फसल में, खेती के काम जिस तरह चाहिए हो जैसे पानी लगाना, निराई-गुड़ाई जैसे कार्य करें जा सकते हैं।
रेपसीड	देर से बोई गई फसलों की निगरानी करनी चाहिए और फूल आने से पहले हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सिंचाई के बाद यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।
सरसों	देर से बोई गई फसलों की निगरानी करनी चाहिए और फूल आने से पहले हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सिंचाई के बाद यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।
गेहूँ	फसल की देरी से बुवाई दिसंबर के दूसरे पखवाड़े तक की जानी चाहिए और सही तरीके से उपचारित किए गए बीज और बुवाई के तरीकों को अनुसरण करना चाहिए। पहले से बोई गई फसल में ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए। बाकी बची यूरिया का आधा हिस्सा पहली सिंचाई के बाद डालना चाहिए।
जौ	फसल की देरी से बुवाई महीने के पहले पखवाड़े तक की जानी चाहिए और सही तरीके से उपचारित किए गए बीजों और बुवाई के तरीकों का पालन किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। पके हुए फूल के गुच्छे को काट लें। पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण के लिए, मैनकोजेब 75 डब्लूपी का 2-3 बार छिड़काव करें। इस बीमारी का नियंत्रण करने के लिए गर्म पानी से बीज का उपचार करना चाहिए।
टमाटर	टमाटर के ऊपरी पत्तों के सिकुड़ने या चित्तीदार होने पर, संक्रमित पौधों को हटाकर नष्ट कर देना चाहिए। फसल को बीमारी फैलाने वाले कीड़ों को नियंत्रण करने हेतु निर्धारित कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए। पके हुए फल तोड़ लें।
मूली	यूरोपियन किस्म की बुवाई 6-8 किलोग्राम प्रति हेक्टर और एशियन किस्म की बुवाई 10-12 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से की जा सकती है, जबकि लाइन से लाइन की दूरी 20-25 सेमि और पौधे से पौधे की दूरी 8-10 सेमि होनी चाहिए।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
शिमला मिर्च	नर्सरी में बुवाई की जा सकती है और 4-8 हफ़्ते बाद पौधों का प्रत्यारोपण किया जा सकता है।
गाजर	यूरोपियन किस्म की बुवाई 5-6 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से की जा सकती है, जिसमें लाइन से लाइन की दूरी 20-40 सेमि और पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमि होनी चाहिए।
चुकंदर	यूरोपियन किस्म की बुवाई 7-10 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से की जा सकती है, जिसमें लाइन से लाइन की दूरी 30-45 सेमि और पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमि होनी चाहिए।
सब्जी पीईए	बुवाई 80-120 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से की जा सकती है, जिसमें लाइन से लाइन की दूरी 30-45 सेमि और पौधे से पौधे की दूरी 5-10 सेमि होनी चाहिए। बढ़ती हुई फसल की निगरानी करनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, सूखी घास, धान का बचा हुआ हिस्सा (पुआल) वगैरह जिनका इस्तेमाल जानवरों के चारे के तौर पर नहीं होता है, उन्हें जानवरों के शेड में बिस्तर के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। दरवाज़े और खिड़कियों को ठीक से ढक देना चाहिए ताकि ठंडी हवा जानवरों के शेड में न घुस सके। जानवरों के बैठने की जगह समतल होनी चाहिए। सलाह दी जाती है कि जानवरों को हरा चारा सूखे चारे में मिलाकर दिया जाए, नहीं तो जानवरों को टिम्पटी बीमारी हो सकती है जिससे जानवरों की मौत हो जाती है।
गाय	जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, सूखी घास, धान का बचा हुआ हिस्सा (पुआल) वगैरह जिनका इस्तेमाल जानवरों के चारे के तौर पर नहीं होता है, उन्हें जानवरों के शेड में बिस्तर के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। दरवाज़े और खिड़कियों को ठीक से ढक देना चाहिए ताकि ठंडी हवा जानवरों के शेड में न घुस सके। जानवरों के बैठने की जगह समतल होनी चाहिए। सलाह दी जाती है कि जानवरों को हरा चारा सूखे चारे में मिलाकर दिया जाए, नहीं तो जानवरों को टिम्पटी बीमारी हो सकती है जिससे जानवरों की मौत हो जाती है।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

मौसम की कोई चेतावनी नहीं है और ना ही मौसम का खेती पर कोई खास असर है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई महत्वपूर्ण सलाह नहीं।

Farmers are advised to download Unified ﷺMausamﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details